

उपेन्द्र कुशवाहा
UPENDRA KUSHWAHA



राज्य मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

MESSAGE

Teacher's Day is a special day on which we honour the practitioners of a noble profession whose core value is to spread the light of knowledge. Teachers are friends, philosophers and guides for their students. Teachers are the role models who inculcate values in their students and dispel the darkness of ignorance.

On this auspicious day, I pay tributes to the former President of India, Dr. S. Radhakrishnan, who was a statesman, scholar, philosopher and a great educationist. This day is a tribute to his belief in teacher's ability to focus on all-round development of the students. The celebration of Teacher's Day is an effort to mobilize support for teachers and appreciate their role in nation building as even today, Dr. Radhakrishnan continues to inspire teachers to achieve their goal. Teaching as a profession must receive respect and recognition from society so that teachers feel appreciated for their contribution and devotion.

On this special day, as we celebrate and honour the teachers, I extend my heartiest greetings to all the teachers of this great country.


(UPENDRA KUSHWAHA)

New Delhi
21.08.2017

उपेन्द्र कुशवाहा
UPENDRA KUSHWAHA



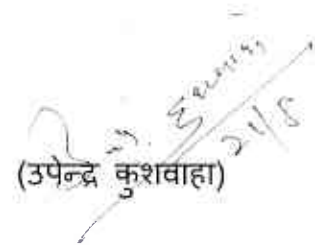
राज्य मंत्री
मानव संसाधन विकास
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

'शिक्षक दिवस' एक विशेष दिवस है जब हम शिक्षण जैसे महान कार्य से जुड़े शिक्षकों को सम्मानित करते हैं जिनका मूल उद्देश्य ज्ञान के प्रकाश को फैलाना है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए उनके मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक होते हैं। शिक्षक वो आदर्श हैं जो अपने छात्रों में मूल्यों को प्रतिपादित करते हैं और अज्ञान के अंधकार को दूर करते हैं।

मैं, इस शुभ अवसर पर, भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन - एक राजनेता, विद्वान, दार्शनिक और एक महान शिक्षाविद् को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। यह दिन उनके इस विश्वास के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है कि अध्यापक की योग्यता छात्रों के समग्र विकास पर ध्यान केन्द्रित करना है। 'शिक्षक दिवस' समारोह शिक्षकों को सहायता प्रदान करने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सदप्रयास है। आज भी डॉ. राधाकृष्णन शिक्षकों के लिए उनके उद्देश्य प्राप्ति में निरंतर प्रेरणा स्रोत हैं। व्यवसाय के रूप में शिक्षण कार्य को समाज से सम्मान और पहचान मिलनी चाहिए ताकि शिक्षक अपने योगदान और समर्पण के प्रति गौरवान्वित महसूस करें।

इस विशेष दिन के अवसर पर, जब हम शिक्षकों का सम्मान करते हैं, मैं इस महान देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई देता हूँ।


(उपेन्द्र कुशवाहा)

नई दिल्ली
21.08.2017